Ministry of Culture
Government of India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

my GOV
मेरी सरकार

सभी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लें ।

Azadi Ka Amrit Mahotsav

#Unity In Creativity

It's time to express your creativity & ***love for India!***

Showcase your creativity and stand a chance to present it on a National platform

LIVEWORKSHEETS

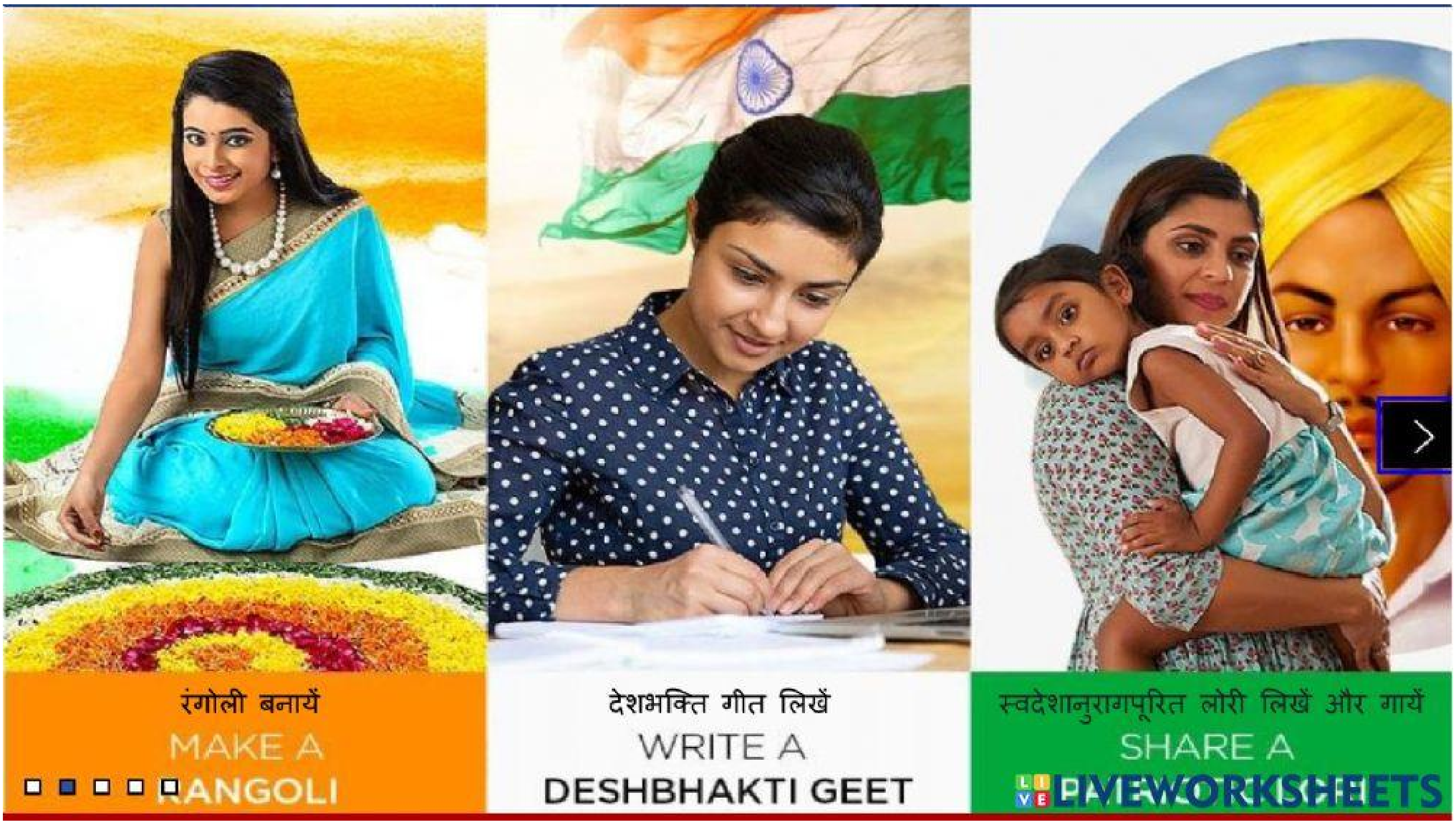

LIVEWORKSHEETS

अपना देशभक्ति गीत खुद रच कर यहाँ साझा करें -

LIVEWORKSHEETS

जीवन निरंतर प्रगति चाहता है, विकास चाहता है, ऊंचाइयों को पार करने की इच्छा रखता है।
विज्ञान कितना भी आगे बढ़े, प्रगति की गति कितनी भी हो, इमारतें कितनी भी भव्य क्यों न हों, जीवन अधूरा लगता है। लेकिन जब इनमें गीत-संगीत, कला, नाटक-नृत्य, साहित्य को जोड़ा जाता है तो इनका आभामंडल, जीवंतता कई गुना बढ़ जाती है। एक प्रकार से यदि जीवन को अर्थपूर्ण बनाना है तो यह सब भी उतना ही आवश्यक है... इसीलिए कहा जाता है कि ये सभी रूप हमारे जीवन में उत्प्रेरक का कार्य करते हैं, हमारी ऊर्जा को बढ़ाने का कार्य करते हैं। मनुष्य के आंतरिक स्व को विकसित करने में, हमारे आंतरिक स्व की यात्रा का मार्ग बनाने में गीतों - संगीत और अन्य कला रूपों की भूमिका प्रमुख है। और इनमें से एक और ताकत यह है कि न तो समय और न ही सीमाएँ इन्हें सीमित कर सकती हैं...विश्वास या मतभेद भी इन्हें सीमित नहीं कर सकते। उस समय जब हमारे देश ने स्वतंत्रता प्राप्त की, हमारे जीवंत राष्ट्र की कई बोलियों और भाषाओं में लिखे गए कई गीत, गाथागीत और भजन, देश के विभिन्न क्षेत्रों के अनूठे वाद्ययंत्रों के संगीत और ध्वनि से प्रेरित होकर, हर भारतीय को एक साथ लाए!

देशभक्ति गीतों ने हमेशा हमारे मनोबल को बढ़ाने और राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह एक परंपरा है जो हमारी ताकत रही है जब भी हमें राष्ट्रीय कारण के लिए एक साथ आने का आह्वान किया गया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, एक नया भारत बढ़ रहा है - एक जो हमारे देश की कई उपलब्धियों और इसकी असीम विविधता पर गर्व करता है। हम न केवल अधिक जागरूक हो रहे हैं, बल्कि अपने ऐतिहासिक स्थलों के साथ-साथ अपनी वर्तमान उपलब्धियों पर भी गर्व कर रहे हैं। चाहे वह शक्तिशाली हिमालय हो, कच्छ के रण का विशाल विस्तार या हमारे समुद्र तट को बनाने वाले सुंदर घाट - भारत का विविध भूगोल, समृद्ध इतिहास और जीवंत जनसांख्यिकी हम में से प्रत्येक को माँ भारती के प्रति हमारे स्नेह और प्रशंसा का एक अलग कारण देता है। . जब देश अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है, आइए अपनी सामूहिक पहचान पर गर्व की भावना को फिर से जगाएं। अमृत काल के इस दौर में हम नए देशभक्ति के गीत लिखेंगे जो नए भारत की भावना से गूंजेंगे। अमृत महोत्सव में भी कला, संस्कृति, गीत, संगीत के रंग अवश्य भरे जाने चाहिए। पूरे भारत में लोगों के लिए खुली 'देशभक्ति गीत' प्रतियोगिता में भाग लें।

देशभक्ति गीत प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए यहाँ क्लिक करें -

इस अनुच्छेद को पढ़ कर साझा करने के लिए यहाँ क्लिक करें

LIVEWORKSHEETS

अपना स्वदेशानुरागपूरित लोरी खुद रच कर यहाँ साझा करें -

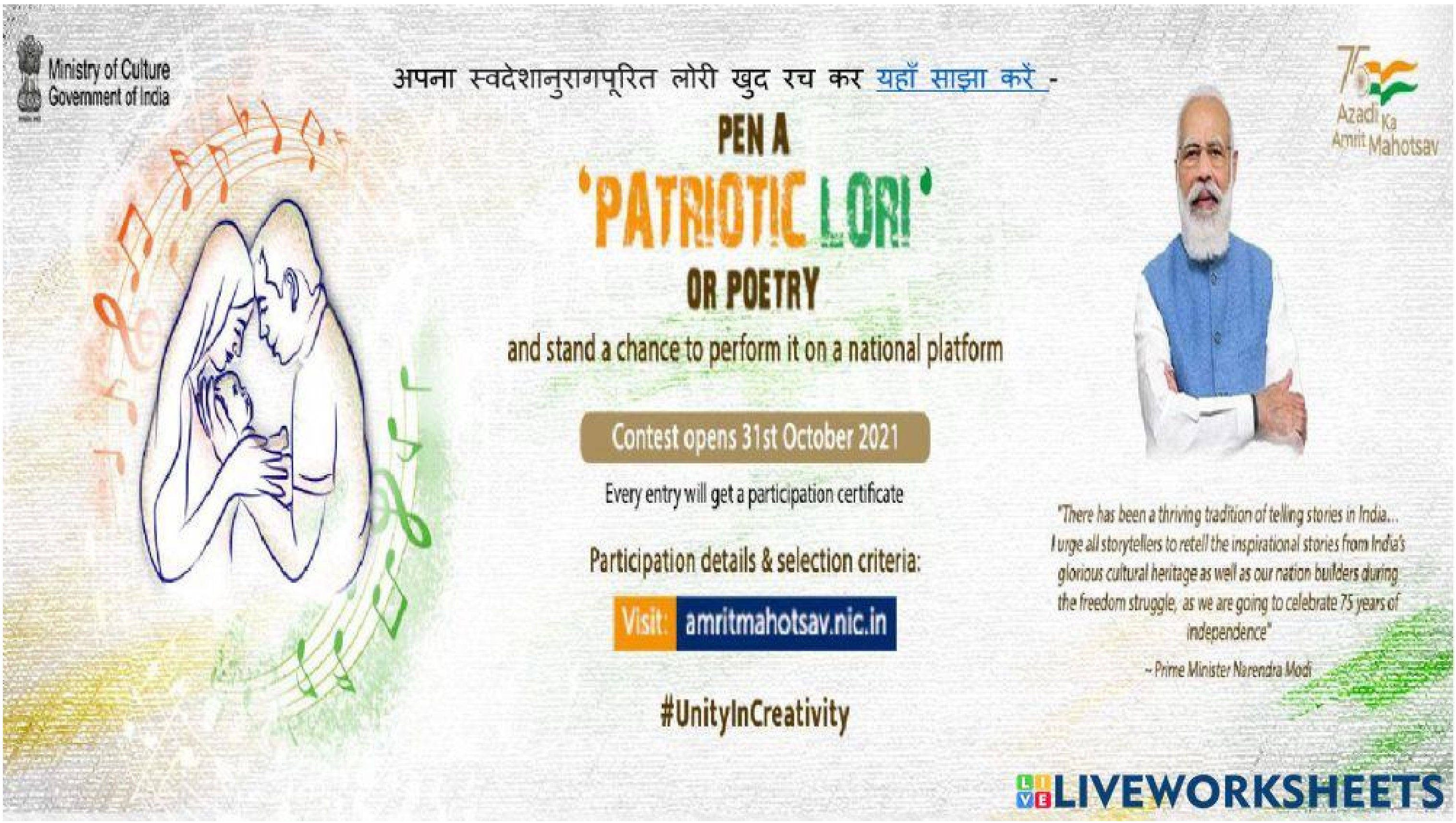

LIVEWORKSHEETS

भारतीय विविध संस्कृति और हमारी समृद्ध परंपराएं मानव सभ्यता के उन्नत तरीके के बावजूद सबसे प्राचीन में से एक हैं। महत्वपूर्ण अवसरों पर मंत्रों का जाप करने से लेकर हमारे दवारा गाए जाने वाले लोक गीतों तक - भारत वास्तव में एक ऐसा देश है जो विस्मित और विस्मित करना बंद नहीं करता है। जैसे हर भारतीय क्षेत्र की अपनी अनूठी परंपराएं, व्यंजन और संगीत वाद्ययंत्र हैं - हर भारतीय क्षेत्र में भी लोरी (लोरी) का अपना सेट होता है। लोरी (लोरी) हमारे बचपन की सबसे शुरुआती यादें बनाती हैं - कहानी कहने का सबसे प्राथमिक रूप, मुख्य रूप से एक माँ से उसके बच्चे के लिए, लेकिन दादा-दादी और पूरे विस्तारित परिवार दवारा भी। यहां लोरियों के माध्यम से छोटे बच्चों में संस्कार डाले जाते हैं और उन्हें संस्कृति से परिचित कराया जाता है। लोरिस (लोरी) की भी अपनी विविधता होती है। अक्सर, हमारी लोरी (लोरी) हमारे स्थानीय परिवेश, प्रकृति, स्थानीय नायकों और स्थानीय ऐतिहासिक महत्व के मामलों के आसपास लिखी जाती हैं। असम के निसुकानी गीत से लेकर तमिलनाडु के थलट्टुपातु तक, और गुजरात के लोरिस (लोरी) से लेकर कन्नड़ लालीहादु तक- प्रत्येक क्षेत्र का न केवल बच्चों को सुलाने का अपना तरीका है, बल्कि साथ ही साथ उन्हें पारिवारिक मूल्यों, स्थानीय संस्कृति और प्रथाओं के बारे में शिक्षित करना है। बच्चों के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के प्यार को अक्सर उनकी कई व्यक्तिगत बातचीत और अदवितीय आउटरीच जैसे परीक्षा पे चर्चा और एक्जाम वॉरियर्स बुक के माध्यम से प्रदर्शित किया जाता है। एक ऐसी दुनिया में जो तेजी से डिजिटल होती जा रही है, यह अदभुत प्रथा और हमारी पारंपरिक लोरियों (लोरी) को भी नए सिरे से बताने का अवसर मिलता है - वही सदियों पुरानी कहानियां लेकिन नए स्वरूपों में बताई गई या नई कहानियों को आधुनिक आवेगों के अनुरूप बताया गया। इस खूबसूरत परंपरा को पुनर्जीवित करने और इसके साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थानीय रचनाओं को संरक्षित करने के लिए हम पूरे भारत में माता-पिता, अभिभावकों और बच्चों के लिए लोरी (लोरी) प्रतियोगिता का आयोजन कर रहे हैं। चयन करने का मापदंड प्रत्येक भारतीय को यहां अपनी प्रविष्टियां भेजने के लिए आमंत्रित किया जाता है। देशभक्ति, कविताओं, गीतों, कुछ या अन्य से संबंधित लोरिस (लोरी) जो हर घर में माताओं दवारा अपने छोटे बच्चों को आसानी से सुनाई जा सकती हैं, प्रतियोगिता के लिए पात्र होंगी। इन लोरियों में आधुनिक भारत, 21वीं सदी के भारत की दृष्टि और उसके सपनों का संदर्भ होना चाहिए। प्रतिभागियों को अपनी मातृभाषा में लोरी (लोरी) प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, लेकिन यदि प्रतिभागी [illegible]क से अधिक भाषाओं में पारंगत है तो वे अपनी पसंद की भाषा चुन सकते हैं।

स्वदेशानुरागपूरित लोरी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए यहाँ क्लिक करें -

इस अनुच्छेद [illegible] पढ़
कर
साझा [illegible]रने [illegible] लिए
[illegible]

LIVEWORKSHEETS

Ministry of Culture
Government of India
अपना स्वदेशानुरागपूरित रंगोली खुद रच कर यहाँ साझा करें -
Express your creativity & love for India
through the traditional art form of
RANGOLI
Participate in Rangoli Making Competition
& win prizes
Theme: 75 years of triumph of Indian freedom struggle
Contest opens 31st October 2021
For contest details & selection criteria,
Visit: amritmahotsav.nic.in
#UnityInCreativity
Every entry will get a participation certificate
Azadi Ka Amrit Mahotsav
"India's unique culture and vibrant
diversity is what make our
nation so great"
~ Prime Minister Narendra Modi
LIVEWORKSHEETS

हमारी जीवंत संस्कृति का एक कालातीत और बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा रंगोली के कई रंगों में पाया जा सकता है, जो लगभग हर भारतीय घर के प्रवेश द्वार पर और उत्सव के हर शुभ अवसर पर पाया जाता है। सदियों से रंगोली के जरिए त्योहारों को रंग देने की परंपरा रही है। रंगोली में हमारे देश की विविधता दिखाई देती है। अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग नामों से और अलग-अलग थीम पर रंगोली बनाई जाती है। चाहे वह तमिलनाडु में कोल्लम हो, गुजरात में साथिया, बंगाल में अल्पना, राजस्थान में मंदाना, ओडिशा में ओसा, उत्तराखंड में ऐपन, या केवल महाराष्ट्र की रंगोली हो - हर क्षेत्र में अपनी परंपराओं, लोककथाओं और प्रथाओं का प्रतिनिधित्व करने का अपना अनूठा तरीका होता है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा भारत की जीवंत स्थानीय संस्कृति और प्रथाओं का समर्थन और जश्न मनाया है। स्थानीय रूप से बने वस्त्रों और औपचारिक सिर के कपड़े से लेकर वोकल फॉर लोकल जैसी योजनाओं तक, उनका नेतृत्व न केवल हमारी समृद्ध विरासत को बढ़ावा देता है बल्कि हमारे भीतर हमारी अद्भुत संस्कृति के लिए गर्व और प्रशंसा भी पैदा करता है। यह वर्ष का वह समय है जब देश में उत्सव का माहौल होता है – बहुरंगी रंगोली के रंगीन भावों के माध्यम से उत्साह फैलाने का इससे बेहतर समय और क्या हो सकता है? एक राष्ट्रव्यापी रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से, हम भारत की जीवंत और प्रतिष्ठित परंपराओं को उनके रचनात्मक सर्वोत्तम रूप में मनाने की योजना बना रहे हैं। यह जटिल डिजाइन, सुंदर पैटर्न, या रंगों का प्रचुर उपयोग हो - हम अपनी सांस्कृतिक विरासत के खजाने को प्रदर्शित करने के प्रयास में अपने विशाल राष्ट्र के हर कोने से प्रविष्टियों का स्वागत करते हैं।

[स्वदेशानुरागपूरित रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए यहाँ क्लिक करें -]

लाल रंग से हाइलाइटेड सभी शब्दों के समानार्थी शब्द लिखें तथा उन्हें अपने वाक्यों मे प्रयोग करें। किए गए नोटबुक कार्य को यहाँ जमा करें / हैन्ड इन करें -

कक्षा तीन के लिए –
कक्षा चार के लिए –
कक्षा एक के लिए –
कक्षा पाँच के लिए –
कक्षा दो के लिए -

इस अनुच्छेद को पढ़ कर
साझा करने के लिए
यहाँ क्लिक करें

LIVEWORKSHEETS